Roll No. ....

D–3136

B. A. (Part I) EXAMINATION, 2020

(Old Course)

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिन्दी कथा साहित्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 75*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 8

(क) "रुदन में कितना उल्लास, कितनी शांति, कितना बल है। जो कभी एकांत में बैठकर किसी की स्मृति, किसी के वियोग में सिसक-सिसककर और बिलख-बिलखकर नहीं रोया, वह जीवन के ऐसे सुख से वंचित है, जिस पर सैकड़ों हँसियाँ न्यौछावर हैं। हँसी के बाद मन खिन्न हो जाता है, आत्मा क्षुब्ध हो जाती है। रुदन के पश्चात् एक नवीन स्फूर्ति, एक नवीन जीवन, एक नवीन उत्साह का अनुभव होता है।"

अथवा

"बरफी खाने के बाद गुड़ खाने का किसका जी चाहता है ? महल का सुख भोगने के बाद झोपड़ा किसे अच्छा लगता है ? प्रेम आत्मा को तृप्त कर देता है। तुम तो मुझे जानते हो, अब तो बूढ़ा हो गया हूँ, लेकिन मैं तुमसे सच कहता हूँ—इस विधुर जीवन में

मैंने किसी स्त्री की ओर आँख तक नहीं उठायी। कितनी सुन्दरियाँ देखीं, कई बार लोगों ने विवाह के लिए घेरा भी, लेकिन कभी इच्छा ही न हुई। उस प्रेम की मधुर स्मृतियों में मेरे लिए प्रेम का सजीव आनन्द भरा हुआ है।"

(ख) "घर में मुट्ठी भर भी अनाज मौजूद हो, तो उनके लिए काम करने की कसम थी। जब दो-चार फाँके हो जाते तो घीसू पेड़ पर चढ़कर लकड़ियाँ तोड़ लाता और माधव बाजार में बेच आता और जब तक वह पैसे रहते, दोनों इधर-उधर मारे-मारे फिरते। जब फाँके की नौबत आ जाती, तो फिर लकड़ियाँ तोड़ते या मजदूरी तलाश करते। गाँव में काम की कमी न थी। किसानों का गाँव था, मेहनती आदमी के लिए पचास काम थे, मगर इन दोनों को लोग उसी वक्त बुलाते, जब दो आदमियों से एक का काम पाकर भी संतोष कर लेने के सिवाय और कोई चारा न होता।"

अथवा

"चिक की पहली पाँति में सात तारे जगमगा उठे, सात रंग के। सतभैया तारा। सिरचन जब काम में मगन रहता तो उसकी जीभ जरा बाहर निकल आती है, ओंठ पर। अपने काम में मगन सिरचन को खाने-पीने की सुधि नहीं रहती। चिक में सुतली के फंदे डालकर उसने पास पड़े सूप पर निगाह डाली—चिवड़ा और गुड़ का एक सूखा ढेला। मैंने लक्ष्य किया, सिरचन की नाक के पास दो रेखायें उभर आईं।"

(ग) "मूढ़े के हत्थों पर धीरे-धीरे उंगलियाँ चलाकर दार्शनिक भाव से बोले, "पेशकार साहब, बहुत-सी बातें आदमी खुद करता है, बहुत-सी उसे करनी पड़ती हैं। विजय की माँ ने सारा घर सिर पर उठा रखा था – महीनों से नींद हराम कर दी थी। ऑपरेशन

कराने को तैयार ही नहीं होती थी। बोली, एक बार इन आँखों से सारा परिवार देख लूँ.................... क्या पता ऑपरेशन के बाद आँखें रहें न रहें..................।"

अथवा

बस यही बात है देवर! अब मेरा यहाँ कौन है। मेरा मरद तो मर गया। जीते-जी मैंने उसकी चाकरी की, उसके नाते उसके सब अपनों की चाकरी बजाई। पर जब मालिक ही न रहा, तो काहे को हड़कंप उठाऊँ। यह लड़के, यह बहुएँ! मैं इनकी गुलामी नहीं करूँगी।"

2. 'गबन' उपन्यास का उद्देश्य क्या है ? तर्क सहित कथन की पुष्टि कीजिए। 12

अथवा

'गबन' के नायक **अथवा** नायिका का चरित्र-चित्रण उदाहरण सहित कीजिए।

3. 'कफन' **अथवा** 'वापसी' कहानी का सारांश लिखिए। 12

अथवा

'गदल' कहानी के आधार पर गदल की चारित्रिक विशेषतायें बताइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : प्रत्येक 4

(i) 'बिरादरी बाहर' की समस्या।

(ii) 'चंपा' का चरित्र-चित्रण।

(iii) प्राचीन एवं आधुनिक कहानी में अन्तर।

(iv) उपन्यास के प्रमुख तत्व।

(v) बाल शौरि रेड्डी का अनुवाद कार्य।

(vi) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' का कृतित्व।

(vii) शिवानी की लेखन कला।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : प्रत्येक 1

(i) 'हंस' पत्रिका के सम्पादक का नाम बताइए।

(ii) आपकी पाठ्यपुस्तक में कितनी कहानी संकलित हैं ?

(iii) चिरागदीन किस कहानी का पात्र है ?

(iv) अपनी पाठ्यपुस्तक में आंचलिक कहानी का नाम लिखिए।

(v) मिस्टर शामनाथ किस कहानी के पात्र हैं ?

(vi) 'मलबे का मालिक' कहानी में किस घटना का वर्णन है ?

(vii) घीसू के पुत्र का नाम क्या था ?

(viii) सिरचन क्या बनाता था ?

(ix) जोहरा किस रचना की पात्र है ?

(x) जालपा को कौन सा आभूषण प्रिय था ?

(xi) 'बिरादरी बाहर' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

(xii) 'गबन' में जालपा की सहेली का नाम क्या था ?

(xiii) 'परदा' कहानी के रचनाकार कौन हैं ?

(xiv) मुंशी प्रेमचन्द का जन्मस्थान बताइए।

(xv) 'चीफ की दावत' कहानी के लेखक का नाम बताइए।

(xvi) 'चम्पा' किस कहानी की नायिका का नाम है ?

(xvii) द्रुत पाठ के किन्हीं **दो** रचनाकारों के नाम लिखिए।

(xviii) 'परदा' कहानी में चौधरी पीरबख्श क्या काम करते थे ?

(xix) 'गबन' उपन्यास में **दो** महिला पात्रों के नाम बताइए।

(xx) 'आकाशदीप' कहानी के रचनाकार कौन हैं ?